गैस हाइड्रेट

विश्व भर में गैस हाइड्रेट इस समय अनुसंधान और विकास की अवस्था में है । गैस हाइड्रेट की उपस्थिति को कृष्णा गोदावरी, महानदी और अंडमान के गहन समुद्री क्षेत्रों में कई जटिल भूगर्भिक स्थानों पर सुनिश्चित हुई थी । राष्ट्रीय गैस हाइड्रेट कार्यक्रम (एन जी एच पी) के लिए मार्ग दर्शक के अनुसार,भारत ने पहले ही ड्रिल पोत "जोडेस रिसोल्यूशंस", अमरीका की सहायता से मूल नमूनों को प्राप्त कर लिया है । गैस हाइड्रेट के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान तथा तकनीकी कार्मिकों के आदान प्रदान तथा ऊर्जा का एक वैकल्पिक स्रोत के रूप में गैस हाइड्रेट की संभावनाओं का लाभ उठाने के दृष्टिकोण से अनुसंधान के संबंध में हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय (डी जी एच आई) और यू एस ज्योलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस), अमेरिका के बीच सहयोग संबंधी कार्यवाही प्रगति पर है ।

एन जी एच पी अभियान - 01 के निष्कर्षों के आधार परकृष्णा गोदावरी गहन समुद्री बेसिन और महानदी गहन समुद्री क्षेत्र को गैस हाइड्रेट के लिए संभावित क्षेत्रों के रूप में देखा जा रहा है ।

संभावित बालू वाहिका तंत्रों की पहचान के लिए कृष्णा गोदावरी और महानदी अपतटीय गहन समुद्री क्षेत्रों में भू वैज्ञानिक अध्ययन किए गए हैं । 79 से अधिक संभावित स्थलों की महत्वपूर्ण समीक्षा के आधार पर, एन जी एच पी के वैज्ञानिकों ने एन जी एच पी के अभियान - 2 के दौरान वेधन और कोरिंग के लिए 20 स्थलों को प्राथमिकता दी है । अभियान - 2 के परिणामों के आधार पर,, एन जी एच पी के भू-वैज्ञानिकों ने एन जी एच पी के अभियान - 3 के दौरान प्रायोगिक उत्पादन परीक्षण करने के लिए एक उचित स्थल की पहचान करने की योजना तैयार की है । एन जी एच पी के अभियान - 2 अभी नियोजन की अवस्था में है । गैस हाइड्रेट की एक प्रमुख चुनौती यह है - गैस हाइड्रेट से किस प्रकार गैस का उत्पादन करें ।